कीमत अशटाम्प और नकल इबारत जाहरी जो दफ्तर रजिस्ट्री में हुई ।	नम्बर शुमार इन्दराज व किस्म दस्तावेज	नकल दस्तावेज
19.8.85 अशटाम मोहद वसीयतनामा Judicial Paper मिति 2 पर तहरीर शुदा है। उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक) तहसील चुराह 19.8.85 वसीका वसीयतनामा हज़ा आज मिति 19.8.85 बरोज सोमवार बवक्त 4 व 4.30 बजे दिन के दरमियान श्रीमति लावणू पुत्री छिबदियाल निवासी ग्राम उड़वाड़ी परगना तीसा ने स्वयम् हाजर दफ्तर सब-रजिस्ट्रार चुराह मुकाम मज्जवाड़ वगैरा रजिस्ट्री पेश की। वसीका दुरुस्त तहरीरी है रजिस्ट्री हेतु स्वीकृत किया गया। ह० श्रीमति पेश कुनन्दा उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक) तहसील चुराह 19.8.85 मज़मून वसीका वसीयतनामा हज़ा ताईन बदस्ति पढ़ कर श्रीमति	नं० 35 वसीयतनामा फी = 50.00 न = 2.00 52.00 [illegible] 380	(वसीयतनामा) मैं मु. लावणू पुत्री श्री छिबदियाल पुत्र सुजान ग्राम उड़वाड़ी परगना तीसा तहसील चुराह जिला चम्बा की हूं। मुझे कोई भी लड़का पैदा न हुआ केवल दो लड़कियां मु. प्रकाशू व रुक्मणी पैदा शुदा हैं। यह दोनों लड़कियां मेरे ही पास रहती हैं। पर इन में से बड़ी लड़की प्रकाशो अरसा से बिमार रहती है और घर का काम भलि प्रकार नहीं कर सकती दूसरी लड़की रुक्मणी हमारी हर प्रकार की सेवा करती व रोटी कपड़ा देती है मैं इसकी खिदमत गुज़ारी से अति प्रसन्न हूं। और ... बोझ अपने सिर रखना नहीं चाहती। उमर मेरी इस वक्त 60 वर्ष से ऊपर हो चुकी हुई है। जिन्दगी का कोई भरोसा नहीं न मालूम कब प्राण पखेरु शरीर के पिंजड़ा से उड़ जावें और पीछे मेरे जायदाद के बारे आपस में झगड़ा पैदा हो जावे जिसे मैं अच्छा नहीं समझती। इसलिए अपनी इच्छा व प्रसन्नता से बिना किसी अनुचित बल या दबाव के तथा बिना किसी बहकावे के अपनी इन्द्रियों के सबल होने की दशा में वसीयत करती हूं कि:- (i) जो कुछ मेरी चल व अचल सम्पति इस वक्त मेरे पास है या आगे जो मैं पैदा करूं या किसी तौर पर मुझे मिले उस तमाम की मैं जीते जी सिर्फ स्वामी व काबज़ हूंगी (ii) मेरे मरने के बाद मेरी चल सम्पति मेरी इन दोनों लड़कियों प्रकाशू व रुक्मणी में बहिस्सा बराबर बांट दी जावे पर अचल सम्पति यानि ज़मीन में से मु. रुक्मणी छोटी लड़की को खेत मौहरा गढ़ी व अग्रवाड़ जिनका अन्दाज़न रकबा कौबन 5-0 बीघा है अधिक दिया जावे। बाकी की ज़मीन इन दोनों में बराबर बराबर बांट दी

कैफियत अदालत और नकल इबारत जाहरी जो दफ्तर रजिस्टरी में हुई	नम्बर शुमार इन्दराज व किस्म दस्तावेज	नकल दस्तावेज

लेखक शर्मा को मुनासिब व पढ़कर सुनाया गया जिसे उसने तमाम तसदीक व तसलीम किया और नहीं दस्तावेज के इकबाल किए, मुसम्मात श्री गवाहान हाजिरान वसीकानवीस [illegible] श्री रजाक मुहम्मद व श्री सिंह राम नम्बरदार साकन लोहा ने शनाखत किया गवाह नम्बरदार को मैं स्वयं जानता हूँ अतः दस्तावेज रजिस्टरी किया।

ह. शर्मा ह. गवाह

Rangammal

ह. गवाह सनाख्ती

सिंह राम

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक)
तहसील चुराह

19.8.85 प्रमाणित किया जाता है कि वसीका की तसदीक इबारत पर शर्मा तथा गवाहान ने अपने-2 हस्ताक्षर व निशान अंगूठा मेरे सामने किए।

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक)
तहसील चुराह

जावे। मेरी तमाम मुसम्मात शर्मा भी यह दोनों मुताबिक रस्म कौम व इलाका करेंगी। दीगर किसी भी हकदार वारिस का मेरी किसी भी सम्पत्ति पर कोई हक व दखल न होगा।

अतः वसीयतनामा हजा रू-ब-रू का और ठीक मान कर साक्षीगण के सामने लिख दिया और इस पर अपना अंगूठा भी लगा दिया कि प्रमाण रहे साक्षीगण के सामने लगा दिया मिति 19-8-85 मुताबिक 4 भादों सम्वत 2042 बरोज सोमवार मकान [illegible] लेखक चरन लाल बोहरा।

साक्षी
श्री रंजान मुहम्मद पुत्र फतेह मुहम्मद साकन गंडेला पहलवान तहसील
sd/- अंग्रेजी

ह. लेखक
0
अंगूठा निशान

साक्षी
श्री [illegible] सिंह पुत्र [illegible] गांव [illegible] तहसील [illegible]
sd/- [illegible] सिंह

साक्षी
श्री सिंह राम पुत्र [illegible] राम गांव [illegible]
sd/- सिंह राम।

यह वसीका क्रम संख्या 35 B. No. 3 खण्ड 6 के पृष्ठ 130-131 पर आज दिनांक 19.8.85 को पंजीकृत हुआ
(... पृष्ठों) ....

उप-रजिस्ट्रार